दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2025–26 दिनांक : 30.10.2025

प्रेस विज्ञप्ति

दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह के चार वर्ष पूर्ण होने पर उत्सवपूर्ण आयोजन

गोरखपुर, 30 अक्टूबर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह के चार वर्षों के सफल कार्यकाल के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न प्राध्यापकों ने अपने विचार और अनुभव साझा किए।

इसी क्रम में **आईक्यूएसी संयोजक प्रोफेसर परीक्षित सिंह** ने कहा कि महाविद्यालय ने बीते चार वर्षों में शिक्षणेतर उन्नयन एवं शोध कार्यों की दिशा में अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। उनके अनुसार, हाल ही में कॉलेज के तत्वावधान में एक इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें देश–विदेश के विद्वानों ने हिस्सा लिया। साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में मेदांता हॉस्पिटल के सहयोग से शिक्षकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी सम्पन्न कराया गया। इससे यह प्रमाणित होता है कि संस्थान केवल अकादमिक प्रगति तक ही सीमित नहीं, बल्कि शिक्षकों और कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास हेतु भी समर्पित है।

प्रोफेसर नित्यानंद श्रीवास्तव ने कहा कि नवीन कार्य ही सौंदर्य का प्रतीक है और यह सौंदर्य प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह के कार्य में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि प्राचार्य के नेतृत्व में कॉलेज ने निरंतर उन दिशाओं में कदम बढ़ाए हैं जिनसे शिक्षा की गुणवत्ता, शोध, और सामाजिक उत्तरदायित्व का नया समन्वय स्थापित हुआ है।

प्रोफेसर अर्चना सिंह ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय में वित्तीय सहायता हेतु **'महंत दिग्विजयनाथ वित्त पोषण योजना'** प्राचार्य प्रो. सिंह के निर्देशन में प्रारंभ हुई है। इस योजना के माध्यम से 202 विद्यार्थी प्रतिवर्ष लाभान्वित होते हैं।

अपने चार वर्षों के अनुभव साझा करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि किसी भी संस्था को चलाने में प्राधिकार जनित सोपान की अपेक्षा संस्कार जनित सोपान अधिक महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सदैव महाविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ संवेदनशील संवाद और सहयोग की भावना से कार्य किया है। उनका यह मानना है कि हर व्यक्ति को उसकी सामर्थ्य और योगदान के अनुरूप सम्मान और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने इस महाविद्यालय को आधुनिक शिक्षा का तीर्थ बनाने का जो स्वप्न देखा था, वही उनके लिए प्रेरणास्रोत है। इस लक्ष्य को संकल्प से सिद्धि तक पहुंचाने के लिए शिक्षकगण और कर्मचारी पूरी निष्ठा से कार्यरत हैं। प्रो. सिंह ने कहा कि "संस्थान प्रथम" का दृष्टिकोण ही उनकी कार्यशैली का मूल है, जिसके अंतर्गत शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों की ऊर्जा को एकीकृत कर संस्थान की उन्नति की दिशा में नियोजित किया गया है।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित प्राध्यापकों और अतिथियों ने प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह को शुभकामनाएं प्रेषित कीं और उनकी दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता की सराहना की। पूरे आयोजन में उत्साह, आत्मीयता और संस्थागत गौरव की झलक दिखाई दी।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. नितीश शुक्ला ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के शिक्षकगण, कर्मचारी व विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महापुरूषों की चित्रों पर पुष्पांजली के साथ हुआ।

डॉ. शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क